

**चरित्र और संस्कृति पर दिव्या !**

# जल हैं: संत न



## त का मार्गदर्शक

हा कि गुरु तत्व जीवन में सबसे बड़ा होते हैं और उनके सन्निध्य से जीवन में जीवन में गुरु तत्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष मार्गदर्शक भाग्यशाली होता है ।

संतों के भावों पर प्रकाश डालते हुए कहा लोग संतों की मुस्कान त देखें हैं, पर उनका रुदन नहीं देख पाते ।

**वन्देमातरम के साथ हुआ**